भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

खण्ड –XXV अंक–19 15 अक्टूबर, 2020

या निशा सर्वभूतानां तस्यां जागर्ति संयमी। यस्यां जाग्रति भूतानि भूतानि सा निशा पश्यतो मुनेः।।

सम्पूर्ण प्राणियों के लिये जो रात्रि के समान है, उस नित्य ज्ञान स्वरूप परमानन्द की प्राप्ति में स्थिप्रज्ञ योगी जागता है और जिस नाशवान् सांसारिक सुख की प्राप्ति में सब प्राणी जागते हैं, परमात्मा के तत्त्व को जानने वाले मुनि के लिये वह रात्रि के समान है। **श्रीमद्भगवद्गीता 2/69**

गांधी जयंती समारोह



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली द्वारा दिनांक 2 अक्तूबर, 2020 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 151वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी को भी उनकी 116वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ समारोह के कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में संस्थान निदेशक- प्रो. वी. रामगोपाल राव; उप निदेशक (प्रचालन)- प्रो. टी. सी. काण्डपाल; उपनिदेशक (नीति एवं योजना)- प्रो. ए. के. गांगुली सहित संस्थान के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। संस्थान समुदाय के लिए कार्यक्रम का सीधा (लाइव) प्रसारण किया गया।

संस्थान निदेशक, प्रो. वी. रामगोपाल राव ने सभी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 151 वीं जयंती एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की 116 वीं जयंती के अवसर पर शुभकामनाएं दी। प्रो. राव ने कहा कि महात्मा गांधी जी के विचार कभी पुराने नहीं होते हैं उनके विचारों की प्रासंगिकता वर्तमान समय में भी उतनी ही है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाने के सबंध में गांधी जी के विचारों को उद्धृत किया–''प्रत्येक गाँव की पहली चिन्ता अपने लिए खाना और कपड़े के लिए सूत पैदा करना होगी। वहां अपने पशुओं के लिए जगह होगी और बच्चों एवं युवाओं के लिए खेल के मैदान हों और फिर अगर कोई अतिरिक्त भूमि उपलब्ध हो तो वहाँ उपयोगी नकदी फसलें उगाई जाएँ, जिसमें गाँजा, तम्बाकू अफीम आदि को एकदम बाहर किया जाए। गाँवों में एक थियेटर होगा, स्कूल और पंचायत घर होंगे। गाँवों में अपने पीने योग्य पानी की सुविधा हेतु व्यवस्था होगी। ये सब नियंत्रित कुओं और तालाबों के जरिए होगा। शिक्षा बुनियादी पाठ्यक्रम तक अनिवार्य होगी। जहाँ तक सम्भव होगा सभी गतिविधियाँ सहयोग की भावना पर आधारित होगी। जिनमें कोई जात नहीं होगी, जैसा कि आज हमारे बीच में छुआ–छूत के साथ मौजूद है। असहयोग की नीति के साथ–साथ अहिंसा ही गाँव के समुदाय का कानून होगी। गाँव में नियमित रूप से एक चौकीदार की व्यवस्था होगी। यह काम बारी–बारी से गाँव के लोगों को ही करना होगा। गाँव की सरकार पंचायत द्वारा चलाई जाएगी जिनका चुनाव गाँव के वयस्क महिला–पुरुषों द्वारा, जिनको न्यूनतम योग्यता हासिल होगी, किया जाएगा। इनके पास सभी आवश्यक न्यायिक अधिकार व सत्ता होगी। आमतौर पर सजा की जो समझ है ऐसी कोई व्यवस्था इन गाँवों में नहीं होगी, इसलिए पंचायत (पांच पंचो) में ही उसकी समयावधि के लिए सभी वैधानिक, न्यायिक, और कार्यकारी अधिकार होंगे।'' निदेशक महोदय ने कहा कि हमें देखना होगा की वर्तमान समय में उनके विचारों को हम कितना आत्मसात कर सकते हैं।

प्रो. राव ने गांधी जी के शिक्षा व्यवस्था तथा शिक्षकों से संबंधित विचार भी सभी के साथ साझा किए, यथा–''महात्मा गांधी के अनुसार–शिक्षा को उपयोगी, जिम्मेदार और क्रियाशील नागरिक बनाने चाहिए। शिक्षा के द्वारा बच्चे की सभी छिपी हुई शक्तियों का विकास उस समुदाय के अनुसार होना चाहिए जिसका वह एक अभिन्न अंग है। शिक्षा के माध्यम से बच्चे के शरीर, मन, हृदय और आत्मा के सामंजस्यपूर्ण विकास होना चाहिए।''

प्रो. राव ने बताया कि महात्मा गांधी के शिक्षकों के संबंध में विचार आज के समय में सभी शिक्षकों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं अतः हमें उनके विचारों का अनुसरण करना चाहिए। महात्मा गांधी के अनुसार ''एक शिक्षक जो बच्चों के साथ तादात्म्य बनाता है, घुल मिल जाता है, वह उन्हें सिखाने की बजाय उनसे कहीं ज्यादा सीखता है। जब भी मैं किसी से बात करता हूँ तो उससे कुछ न कुछ सीखता हूँ। मैं उसे देने से ज्यादा उससे लेता हूँ। इस तरह एक सच्चा शिक्षक स्वयं को अपने शिष्य का शिष्य ही मानता है। अगर तुम इस भाव के साथ विद्यार्थियों को पढ़ाओगे, उनसे तुम्हें बहुत लाभ मिलेगा।''

सभी को संबोधित करते हुए आगे प्रो. राव ने कहा कि हमें वर्तमान संदर्भ में गांधी जी के कुछ विचारों को फ्रेम करके रखना चाहिए

और अपने दैनिक जीवन में उनका पालन करना चाहिए। उदाहरण के रूप में गांधी जी कहते हैं ''मैं नहीं चाहता कि मेरे घर के चारों ओर दीवार हो और खिड़कियां बंद हों। मैं चाहता हूं कि सभी देशों की संस्कृतियों की हवा यथासंभव मुक्त रूप में मेरे घर से होकर गुजरे। लेकिन मैं नहीं चाहता कि किसी भी संस्कृति की हवा से मेरे पैर उखड़ जाएं।'' इस प्रकार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के अनमोल विचारों को उद्धृत कर प्रो. रामगोपाल राव ने कहा कि हमें देखना होगा कि आधुनिक समय में किस प्रकार इन विचारों को हम अपने जीवन में आत्मसात कर सकते हैं। मुझे आशा है कि एक संस्थान के रूप में हम उनके आदर्शों का पालन करने के प्रयास करेंगे।

इसके पश्चात कार्यक्रम में भा. प्रौ. सं. दिल्ली के दो स्टार्टअप–ई–टेक्स तथा क्लेन्स्टा के अंतर्गत आम लोगों के लिए किफायती मूल्य पर तैयार की गई एक एंटीवायरल सुरक्षा किट का लॉन्च भी किया गया, जिसमें कोविड महामारी के बचाव हेतु संरक्षण लोशन, कवच एंटीवायरल परिधान, कवच मास्क तथा हैंड सेनेटाइजर शामिल हैं। इनका निर्माण संपूर्णतः स्वदेशी माध्यम से किया गया है। यह किट न केवल भारत को अपितु संपूर्ण विश्व को इस वैश्विक महामारी से उबारने में सहयोग करेगी।

इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें – महात्मा गांधी तथा श्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन पर आधारित चलचित्र का प्रदर्शन, संस्थान के कर्मठ स्वच्छता कर्मचारियों को खादी का सामान प्रोत्साहन स्वरूप भेंट, संस्थान की श्री हरि सत्संग सभा द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एक संगीतमय प्रस्तुति, म्यूजिक क्लब, बीआरसीए द्वारा गांधीजी पर आधारित एक म्यूजिक वीडियो की प्रस्तुति आदि शामिल रहे ।

भौतिकी विभाग की 'तनु परत प्रयोगशाला' (TFL) का स्वर्ण जयंती (1970–2020) उत्सव

तनु परत प्रयोगशाला (TFL) की स्थापना डा. कस्तूरी लाल चोपड़ा जी ने भौतिकी विभाग में वरिष्ठ प्रोफेसर के रूप में पदेन होकर 24 अगस्त, 1970 के दिन की थी। इस प्रयोगशाला की शैक्षिक, प्रायोजित और औद्योगिक अनुसंधान संबंधित गतिविधियाँ इनके सशक्त मार्गदर्शन में शुरू हुईं। प्रेरित व उत्साही पीएच.डी./एम.टेक./एम. एससी./पोस्ट डॉक्टरल शोधार्थियों और प्राध्यापकों के साथ आने से TFL ने तेजी से आगे बढ़ते हुए जल्द ही तनु परत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में अपने उत्कृष्ट एवं अग्रणी योगदान के द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। दुनिया भर से सम्मिलित TFL के लगभग 250 पूर्व छात्रों ने क्रमशः 5 सितंबर एवं 12 सितंबर शाम 8:00 बजे से 10:00 बजे तक आभासी आयोजन के द्वारा स्वर्ण जयंती मनाई।

इन आयोजनों में माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' तथा विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. आशुतोष शर्मा जी ने अपने लिखित बधाई संदेश भेजकर राष्ट्र निर्माण में TFL के योगदान का आभार व्यक्त किया तथा शुभकामनाएं दीं। पूर्व शोधार्थियों ने TFL को आने वाले वर्षों में अग्रणी बने रहने के लिए दिशा निर्धारण पर विमर्श किया और नए शोधार्थियों को अपने उद्यम स्थापित करने हेतु सहयोग योजनाओं पर चर्चा की।

सभी पूर्व छात्रों व सेवानिवृत्त संकाय सदस्यों ने वर्तमान में TFL से जुड़े हुए संकाय सदस्यों की संख्या के घटते जाने पर चिंता व्यक्त की। इसके समाधान हेतु नई नियुक्तियों व जुड़ाव बढ़ाने वाले उपायों के लिए विभाग व संस्थान प्रशासन से उचित विमर्श व सहयोग जैसे महत्वपूर्ण सुझावों पर प्राथमिकता के आधार पर काम करने पर विशेष बल दिया गया। पूर्व शोधार्थियों ने TFL द्वारा निकट भविष्य में तनु परत तकनीक के क्षेत्र में संस्थान में एक नवीन 'उत्कृष्टता का केंद्र' (Center of Excellence in Thin Film Technology) स्थापित करने की दिशा में उपयुक्त उपाय करने को महत्वपूर्ण माना।

अधिक जानकारी के लिए TFL की वेबसाइट http://tfl.iitd.ac.in पर जाएं।

बधाई

स्थापना अनुभाग–1 से प्राप्त कार्यालय ज्ञापन के अनुसार निम्नलिखित संकाय सदस्यों को उनके नाम के आगे दिए गए पद के लिए चयनित किया गया है।

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम/ कर्मचारी कोड संख्या	पिछला पदनाम	नया पदनाम	विभाग/केन्द्र	वेतनमान
1.	प्रो. (सुश्री) श्वेता सिंह (16298)	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	प्रबंध अध्ययन विभाग	1,59,100–2,20,200 (लेवल 14ए)
2.	प्रो. अमिताभ बागची (16134)	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी	1,59,100–2,20,200 (लेवल 14ए)
3.	प्रो. संदीप कुमार पाठक (16646)	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	ऊर्जा अध्ययन	1,39,600–2,11,300 (लेवल 13ए2)
4.	प्रो. (सुश्री) लीना नेभानी (16606)	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी	1,39,600–2,11,300 (लेवल 13ए2)

5.	प्रो. (सुश्री) संपा साहा (16613)	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी	1,39,600–2,11,300 (लेवल 13ए2)
6.	प्रो. सयान रानू (16690)	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी	1,39,600–2,11,300 (लेवल 13ए2)
7.	प्रो. सुप्रीत सिंह बहगा (16473)	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	यांत्रिक इंजीनियरी	1,39,600–2,11,300 (लेवल 13ए2)
8.	प्रो. विक्रांत तिवारी (16357)	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	अनुप्रयुक्त यांत्रिकी	1,39,600–2,11,300 (लेवल 13ए2)
9.	प्रो. मनन सूरी (16543)	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	विद्युत इंजीनियरी	1,39,600–2,11,300 (लेवल 13ए2)
10.	प्रो. आनन्दरूप दास (16583)	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	विद्युत इंजीनियरी	1,39,600–2,11,300 (लेवल 13ए2)
11.	प्रो. (सुश्री) काव्य दशोरा (16686)	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी	1,39,600–2,11,300 (लेवल 13ए2)
12.	प्रो. हरि प्रसाद पी. (16483)	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी	1,39,600–2,11,300 (लेवल 13ए2)
13.	प्रो. संजय धीर (16522)	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	प्रबंध अध्ययन	1,39,600–2,11,300 (लेवल 13ए2)
14.	प्रो. सुनील कुमार (16610)	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	भौतिकी	1,39,600–2,11,300 (लेवल 13ए2)
15.	प्रो. सास्वता भट्टाचार्य (16601)	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	भौतिकी	1,39,600–2,11,300 (लेवल 13ए2)
16.	प्रो. मोहम्मद एस. वाजेद अली (16573)	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी	1,39,600–2,11,300 (लेवल 13ए2)
17.	प्रो. अमित मेहंदीरत्ता (16562)	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	बायोमेडिकल इंजीनियरी	1,39,600–2,11,300 (लेवल 13ए2)

हिंदी पखवाड़ा संपन्न (2020)

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान में 14 से 30 सितंबर, 2020 के बीच हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसरण में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा समय–समय पर राजभाषा हिंदी के संबंध में कार्यशाला और विचार विमर्श संगोष्ठी इत्यादि आयोजित करने के लिए निर्देश जारी किए जाते हैं। इसी क्रम में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ 14 सितंबर, 2020 को संस्थान में **राजभाषा के प्रगामी प्रयोग हेतु ऑनलाइन कार्यशाला** का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 30 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता की। इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में **श्री कुमार पाल शर्मा,** उपनिदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा क्षेत्रीय कार्यालय, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय को आमंत्रित किया गया। अध्यक्ष, हिंदी कक्ष डॉ. नीरज चौरसिया ने कार्यशाला की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा ''आज हिंदी दिवस के अवसर पर हम हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ करने जा रहे हैं। कोविड–19 महामारी तथा सामाजिक दूरी को ध्यान में रखते हुए आज की कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम से की जा रही है। आज हमारे साथ श्री कुमार पाल शर्मा जी जो राजभाषा विभाग में उप निदेशक के पद पर कार्यरत हैं वे राजभाषा के प्रगामी प्रयोग के लिए संस्थान के स्टाफ सदस्यों को राजभाषा संबंधी नियमों एवं विविध प्रावधानों की जानकारी देगें और इनके कार्यान्वयन संबंधी दिशा निर्देशों से अवगत कराएंगे।''

डॉ. नीरज चौरसिया, अध्यक्ष, हिंदी कक्ष ने संस्थान उप निदेशक **प्रो. तारा चंद्र काण्डपाल** का स्वागत करते हुए कार्यशाला को संबोधित करने का अनुरोध किया। प्रो. काण्डपाल ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा–हिंदी भाषा का इतिहास हजार वर्ष पुराना है। प्रेम से हिंदी भाषा का प्रयोग किया जाए तो कितना आनंद होगा। आपने कुछ

पंक्तियों को सामने रखते हुए कहा–'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटन न हिय के सूल'। मतलब मातृभाषा की उन्नति बिना किसी भी समाज की तरक्की संभव नहीं है तथा अपनी भाषा के ज्ञान के बिना मन की पीड़ा को दूर करना भी मुश्किल है।

डॉ. नीरज चौरसिया ने अतिथि वक्ता को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया सर्वप्रथम श्री के.पी. शर्मा जी ने हिंदी दिवस पर सभी को शुभकामनाएं दी और कामना की कि इस परिस्थिति में संस्थान परिवार सुरक्षित एवं स्वस्थ रहे इसके उपरांत आपने भारतीय संविधान में वर्णित राजभाषा संबंधी अनुच्छेदों का उल्लेख करते हुए राजभाषा अधिनियम– 1963, राजभाषा संकल्प– 1968, राजभाषा नियम–1976 का विस्तार से वर्णन किया। आपने धारा 3(3), 8(4) तथा 10(4) पर विस्तार से चर्चा करते हुए महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की और साथ में इन सभी प्रयोजनों को संस्थान में किस तरह से लागू किया जा सकता है इस बार में भी चर्चा की।

इसके उपरांत 16 सितंबर, 2020 को संस्थान के ग्रुप 'बी' स्टाफ सदस्यों के लिए **'राष्ट्र निर्माण में नई शिक्षा नीति की भूमिका'** तथा ग्रुप 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए **'वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य'** विषय पर हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 22 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। ग्रुप 'बी' स्टाफ सदस्यों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में **श्री सतपाल सिंह** (कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक, भा.प्रौ.स. अस्पताल) ने प्रथम पुरस्कार; **श्री प्रवीण दशरथ पौनिकर** (कनिष्ठ लेखा अधिकारी, लेखा परीक्षा अनुभाग) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **श्री रजनीश अग्रवाल** (कनिष्ठ लेखा अधिकारी, लेखा परीक्षा अनुभाग) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। ग्रुप 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में **श्री अंकेश कुमार** (कनिष्ठ सहायक, संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) कार्यालय) ने प्रथम पुरस्कार; **सुश्री अनु सोनी** (कनिष्ठ सहायक, स्नातक पूर्व अध्ययन अनुभाग) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **सुश्री हेमा कुमारी** (वरिष्ठ सहायक, स्थापना अनुभाग–2) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। 22 सितंबर 2020 को ग्रुप 'बी' एवं 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए **टिप्पण एवं प्रारूपण (नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग) प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 06 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। इसमें **श्री ललित कपूर** (वरिष्ठ सहायक, सम्मेलन अनुभाग) ने प्रथम स्थान; **श्री प्रवीण दशरथ पौनिकर** (कनिष्ठ लेखा अधिकारी, लेखा परीक्षा अनुभाग) ने द्वितीय स्थान एवं **सुश्री अनु सोनी** (कनिष्ठ सहायक, स्नातक पूर्व अध्ययन अनुभाग) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 24 सितंबर, 2020 को ग्रुप 'बी' एवं 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए **राजभाषा प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। इसमें 09 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में **श्री प्रवीण दशरथ पौनिकर** (कनिष्ठ लेखा अधिकारी, लेखा परीक्षा अनुभाग) को प्रथम पुरस्कार; **श्री रिपुल जिंदल** (कनिष्ठ सहायक, लेखा अनुभाग) को द्वितीय पुरस्कार एवं **सुश्री निधि बिष्ट** (वरिष्ठ सहायक, स्नातक पूर्व अध्ययन अनुभाग) को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। 30 सितंबर, 2020 को संस्थान के सीनेट रूम में हिंदी समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से लगभग ~50 स्टाफ सदस्यों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भागीदारी की।

समारोह की अध्यक्षता संस्थान निदेशक **प्रो. वी. रामगोपाल राव** ने की। कार्यक्रम की शुरुआत **सुश्री रत्ना दास** (पुस्तकालय एवं सूचना सहायक) द्वारा सरस्वती वंदना से की गई। **डॉ. नीरज चौरसिया,** अध्यक्ष (हिंदी कक्ष) ने उपस्थित संस्थान निदेशक, उपनिदेशक (नीति एवं योजना), कार्यकारी कुलसचिव तथा अन्य संकाय सदस्यों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से जुड़े प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए पिछले 1 वर्ष के दौरान हिंदी कक्ष द्वारा किए गए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके उपरांत डॉ. चौरसिया ने माननीय गृहमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के संदेशों का पाठन किया और इन संदेशों को अपने कार्यलयीन कार्यों में अमल में लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण कार्यक्रम में पुरस्कार पाने वाले प्रतिभागियों को आमंत्रित नहीं किया गया। सभी ने ऑनलाइन माध्यम से हिंदी समारोह में भागीदारी की। इस अवसर पर पुरस्कार प्राप्त प्रतिभागियों के नामों की घोषणा पी.पी.टी. के माध्यम से की गई। कार्यक्रम का संचालन **श्रीमति इंद्रमणि** ने किया।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंदी कक्ष द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका **'जिज्ञासा'** अंक 34 का विमोचन निदेशक महोदय, उप निदेशक तथा संपादन मंडल के सदस्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ. चौरसिया ने संस्थान कार्यकारी कुलसचिव **श्री एम.के. गुलाटी** को संबोधन के लिए आमंत्रित किया। श्री गुलाटी जी ने हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा संस्थान का हिन्दी कक्ष सदा प्रयत्नशील रहा है। हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार के लिए आत्म चिंतन की आवश्यकता है। भाषा के माध्यम से हम अपनी संस्कृति से जुड़े रह सकते हैं इसके लिए उन्होंने कोरोना महामारी में लॉकडाउन के दौरान रामायण तथा महाभारत जैसे हिंदी सीरियलों का जिक्र करते हुए हिंदी की महत्व पर प्रकाश डाला।

इसके उपरांत अध्यक्ष, हिंदी कक्ष ने **प्रो. अशोक कुमार गांगुली,** उपनिदेशक (नीति एवं योजना) को संबोधन के लिए आमंत्रित किया। प्रो. गांगुली ने बताया भाषा मस्तिष्क का व्यायाम करवाती है। हिंदी में रुचि बढ़ाने के लिए हमें जो इस प्रांत के नहीं है उन्हें भी प्रोत्साहित करना होगा। इसके उपरांत अध्यक्ष, हिंदी कक्ष ने अध्यक्षीय संबोधन के लिए संस्थान निदेशक **प्रो. वी. रामगोपाल राव** को आमंत्रित किया। आपने बताया कि आई. आई.टी. दिल्ली में 1981 में हिंदी कक्ष की स्थापना की गई थी। हर भाषा में साहित्य है, इसलिए भाषाओं को जानना बहुत सुंदर है और हिंदी देश की राष्ट्रभाषा है तथा शासकीय कार्यों के लिए प्रयोग की जाती है अतः हिंदी का ज्ञान होना आवश्यक है। हिंदी के माध्यम से ही हम हिंदी संगीत का भी आनंद ले सकते हैं। संस्थान में आने वाले गैर हिंदी भाषी तथा विदेशी विद्यार्थियों को हिंदी सिखाने के लिए कार्य किया जाए तो यह संस्थान हित में होगा। आपने इस अवसर पर संस्थान में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग पर बल देते हुए सभी को इस दिशा में आवश्यक कार्य करने को कहा।

डॉ. चौरसिया ने निदेशक महोदय को दिए गए सुझाव के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम को समापन की ओर ले जाते हुए **श्री आनंद प्रकाश (सहायक कुलसचिव, हिंदी कक्ष)** को आमंत्रित किया। श्री आनंद प्रकाश ने सभी प्रतिभागियों को उत्साह के साथ भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया तथा हिंदी समारोह को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए उपस्थित संस्थान निदेशक, उपनिदेशक (नीति एवं योजना), संस्थान कुलसचिव, अध्यक्ष (हिंदी कक्ष), निर्णायक मंडल के सदस्यों, हिंदी कक्ष के सभी स्टाफ सदस्यों को बहुत–बहुत धन्यवाद एवं बधाई दी। अंत में डॉ. चौरसिया ने अधिक से अधिक कार्य राजभाषा हिंदी में करने की सभी से अपील की ताकि मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके तथा सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद किया तथा खुशनुमा माहौल में समारोह संपन्न हुआ।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 1772, 7144, 1242

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com